विश्वविद्यालय के विषय में

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय 2011 में केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के तहत स्थापित जम्मू और कश्मीर के सांबा जिले में स्थित एक प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थान है। विश्वविद्यालय का विशाल और सुंदर परिसर सांबा जिले के राया–सुचानी गाँव में 610 एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें कई उल्लेखनीय भौगोलिक विशेषताएँ शामिल हैं, जिसमें सुंदर वातावरण, विभिन्न इमारतें और खुली सड़कें शामिल हैं, जिसमें प्राकृतिक सुंदरता के साथ अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ उत्कृष्ट भवन शामिल हैं, जो अध्ययन और अनुसंधान के लिए अनुकूल परिवेश प्रदान करता है।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार, और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति समर्पित है। यह विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग, व्यवसाय अध्ययन, जीव विज्ञान, आधारिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, जनसंचार और नवीन मीडिया अध्ययन, शैक्षिक अध्ययन और भाषा जैसे विभिन्न विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर और पी.एच.डी की उपधियां प्रदान करता है।

आधुनिक बुनियादी ढाँचे, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, समृद्ध पुस्तकालय और जीवंत छात्र सुविधाओं से सुसज्जित, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय अंतर्विषयक अनुसंधान, समावेशिता और सामुदायिक सहभागिता को प्राथमिकता देता है। विश्वविद्यालय नियमित रूप से कार्यशालाओं, सेमिनारों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जिससे प्रतिदिन छात्रों को नई गतिविधियों को सीखने का अवसर मिलता है।

क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के विचार के साथ, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्रों के समग्र विकास के केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाई है, जो नई प्रतिभाओं को समाज और राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करने का कार्य करता है।

विभाग के बारे में

जम्मू एवं कश्मीर राज्य के जम्मू अंचल की भाषाई संरचना एवं स्थानीय मांग को देखते हुए जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय में हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग की अगस्त 2015 में स्थापना हुई। इस विभाग को राष्ट्रभाषा हिन्दी और साहित्य के अध्ययन और शोध के साथ ही डोगरी और अन्य स्थानीय भाषाओं के अध्ययन का मुख्य केंद्र बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया। वर्तमान में विभाग माननीय कुलपति प्रो. संजीव जैन जी के दिशा निर्देशन में विकसोन्मुख है और नए आयामों को प्राप्त करने हेतु प्रतिबद्ध है। विभाग हिन्दी भाषा, साहित्य और अंतर–अनुशासनिक भारतीय भाषाओं एवं साहित्य के शिक्षण द्वारा भारतीय सभ्यता, संस्कृति, दर्शन तथा सामाजिक–राजनैतिक चुनौतियों से परिचित कराने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग अद्यतन प्रविधियों का उपयोग करते हुए नवीन विषयों– रचनात्मक लेखन, पटकथा लेखन, पत्रकारिता, अनुवाद एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी आदि रोजगारोन्मुखी शिक्षण के प्रति संकल्पबद्ध है। विभाग प्राचीन, मध्यकालीन, रीतिकालीन, आधुनिक साहित्य, विमर्श, भाषाविज्ञान, काव्यशास्त्र और तुलनात्मक अध्ययन आदि पर शोधकार्य के लिए प्रतिबद्ध है।

संगम के विषय में

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में सुझाया गया है कि देश के छात्रों को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के अंतर्गत ग्रेड 6–8 में 'भारत की भाषाएं' (द लैंग्वेजेज ऑफ़ इंडिया) पर एक मजेदार परियोजना/गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इस प्रकार की परियोजना/गतिविधि में, छात्रों को अधिकांशरूप से प्रमुख भारतीय भाषाओं की उल्लेखनीय एकता के बारे में जानने में मदद मिलेगी, जिसके अंतर्गत वे समान ध्वन्यात्मक और वैज्ञानिक रूप से व्यवस्थित वर्णमाला और लिपियों, उनकी सामान्य व्याकरणिक संरचनाओं, संस्कृत तथा अन्य शास्त्रीय भाषा से इनकी शब्दावली के स्त्रोत और उद्भव को ढूंढने से लेकर इन भाषाओं के समृद्ध अंतर–प्रभाव और अंतरों को समझ सकेंगे। छात्र विभिन्न क्षेत्रों में बोली जाने वाली भाषाओं, जनजातीय भाषाओं की प्रकृति और संरचना, भारत की हर प्रमुख भाषा में कुछ पदों व पंक्तियों तथा प्रत्येक के समृद्ध और उभरते साहित्य के बारे में भी सीख पाएंगे। इस प्रकार की गतिविधियां उन्हें भारत की एकता, सुंदर सांस्कृतिक विरासत तथा इसकी विविधता की भावना से ओतप्रोत करेगी और अपने पूरे जीवन भर वे भारत के अन्य हिस्सों के लोगों से मिलने–जुलने में सहज महसूस करेंगे।

अपनी मातृभाषा के साथ–साथ अधिक से अधिक भारतीय भाषाओं को सीखने के लिए अनुकूल वातावरण बनाने तथा 'पड़ोसी भाषा' के प्रति प्रेम और आनंद की अनुभूति के लिए 'भाषाई सौहार्द' विकसित करने की आवश्यकता है। किसी अन्य भारतीय भाषा को सीखना/बोलना एक फैशन/प्रतिष्ठा तथा आनंद का विषय बनना चाहिए।

इसी भावना को ध्यान में रखते हुए सुब्रमण्यम भारती के जन्म जयंती 11 दिसंबर को भारतीय भाषा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उस दिन 'भारतीय भाषा उत्सव' का आयोजन किया जाएगा जिसके निम्नलिखित उद्देश्य होंगे:

- छात्रों को भारतीय भाषाओं के बारे में जानकारी देना।
- लोगों को कुछ और भारतीय भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करना।
- संस्कृति, कला आदि में विविधता का उत्सव मनाने के लिए और लोगों को भारतीय भाषाओं के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, सद्भाव और अखंडता का अनुभव कराना।
- यह दिखाना कि भाषा सीखना कैसे एक मनोरंजक और आनंददायी अनुभव हो सकता है।
- राष्ट्र के विकास और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के लक्ष्य को साकार करने के लिए भारतीय भाषाओं की आवश्यकता को रेखांकित करना।

सम्मेलन के अपेक्षित परिणाम

- यह लोगों में अपनी मातृभाषा पर महारत हासिल करने के साथ ही अन्य भारतीय भाषाओं को भी सीखने के प्रति उत्साह को गति देगा।
- यह व्यक्तियों तथा वृहत समाज में बड़े स्तर पर सांस्कृतिक जागरूकता और समावेशी चिंतन को बढ़ावा देगा।
- यह भारतीय भाषाओं में प्रौद्योगिकी के अनुकूलन को बढ़ावा देगा।
- जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अधिक से अधिक भारतीय भाषाओं का उपयोग करने के शैक्षिक, सांस्कृतिक और आर्थिक लाभों का पता लगाएगा तथा इससे सम्बंधित विमर्शों को उभारेगा।

कार्यक्रम विवरण

समय	कार्यक्रम
09:30 – 10:30	पंजीकरण एवं जलपान
10:30 – 12:30	सत्र : 1 – भारतीय भाषाएँ एवं भविष्य का भारत
12:30 – 01:30	प्रतियोगिताएँ एवं प्रदर्शनी दौरा
01:30 – 02:00	भोजन
02:00 – 03:30	सत्र : 2 – विकसित भारत में भारतीय भाषाओं का योगदान
03:30 – 04:30	समापन सत्र –
04:30 – 05:00	चाय एवं प्रस्थान

आमंत्रित अतिथि

- प्रो. संजीव जैन (अध्यक्ष), माननीय कुलपति, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय
- पद्मश्री प्रो. तोमिओ मिजोकामी (विशिष्ट वक्ता), सेवानिवृत्त आचार्य, हिंदी, जापान
- श्री राजेश शर्मा (विशिष्ट अतिथि), उप आयुक्त, साम्बा
- प्रो. दिलीप कुमार (विशिष्ट अतिथि), आई.आई.एम.सी. जम्मू
- प्रो. विनोद तनेजा (वक्ता), सेवानिवृत्त आचार्य, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
- प्रो. नीलम सराफ़ (वक्ता), सेवानिवृत्त आचार्य, हिन्दी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय
- प्रो. गुरपाल सिंह सन्धू (वक्ता), पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
- डॉ. राजेन्द्र चाड़क (वक्ता), जम्मू विश्वविद्यालय
- श्री संजय कुमार पंडित (वक्ता शारदा लिपि विशेषज्ञ, प्राचार्य, एच. एस. एस. कैंप बोहरी, जम्मू)

भारतीय भाषा संगम
हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
भारतीय शिक्षण मंडल एवं
भारतीय भाषा समिति
का संयुक्त आयोजन
15 जनवरी, 2025

संरक्षक
- प्रो. संजीव जैन, माननीय कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

मार्गदर्शक
- प्रो. यशवंत सिंह, आदरणीय कुलसचिव, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

परामर्श मंडल
- प्रो. जया भसीन, अधिष्ठाता, व्यावसायिक अध्ययन संकाय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- प्रो. वन्दना शर्मा, अधिष्ठाता, भाषा संकाय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- प्रो. विनय धीमान, अधिष्ठाता, आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- प्रो. सूरम सिंह, अधिष्ठाता, अकादमिक, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- प्रो. रितु बक्शी, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- प्रो. जे. एन. बालिया, शैक्षिक अध्ययन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- प्रो. असित मंत्री, अध्यक्ष, शैक्षिक अध्ययन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- डॉ. उदय प्रताप सिंह, सह–अधिष्ठाता, अकादमिक, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

कार्यक्रम समन्वयक
- प्रो. भारत भूषण, अध्यक्ष, हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- डॉ. फणी कृष्णा, अकादमिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली

कार्यक्रम सह–समन्वयक
- डॉ. वन्दना शर्मा, सहायक आचार्य, हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- डॉ. अमिता गुप्ता, सहायक आचार्य, तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

आयोजन समिति
- डॉ. शशिकांत मिश्र, सह–आचार्य, हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- डॉ. अभय सिंह राजपूत, सह–आचार्य, जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- डॉ. नीता, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- डॉ. अरविंद ऋतुराज, सह–आचार्य, तुलनात्मक अध्ययन एवं सभ्यता विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- डॉ. नरेश शर्मा, विपणन एवं श्रृंखला आपूर्ति प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- डॉ. अमन, शैक्षिक अध्ययन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- डॉ. अमित गंगोटिया, पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- डॉ. रत्नेश कुमार यादव, हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- डॉ. विनीता शर्मा, प्राणि शास्त्र विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- डॉ. सटेनज़िन लाडोल, प्राणि शास्त्र विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- डॉ. यादराम, शैक्षिक अध्ययन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- डॉ. केतन भट्ट, मानव संसाधन प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- डॉ. प्रियंजन, सहायक निदेशक, रा.भा. प्रकोष्ठ, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
- डॉ. राजन बड्याल, जन संपर्क अधिकारी, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

महत्वपूर्ण तिथिः

पंजीयन प्रारंभ होने की तिथि : 20 दिसंबर, 2024

प्रतिभागीः

विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थी।

प्रतियोगिताएँः

निबंध प्रतियोगिता

भाषण प्रतियोगिता

नारा लेखन प्रतियोगिता

निःशुल्क पंजीकरणः

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSc C3RSTMQ6y7ZVaHJU-bedVa2M2cjTHnTJH2qhJdlYdyQn_jw/viewform?vc=0&c=0&w=1&flr=0

संपर्क विवरणः

प्रो. भारत भूषण
9814811200
ई–मेल : bharat.hnd@cujammu.ac.in

डॉ. वन्दना शर्मा
9419292999
ई–मेल : vandana.hnd@cujammu.ac.in

डॉ. अमिता गुप्ता
9454497552
ई–मेल : amita.ccrc@cujammu.ac.in

भारतीय भाषा संगम

(अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन)

हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
भारतीय शिक्षण मण्डल
एवं
भारतीय भाषा समिति

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
का संयुक्त आयोजन

संरक्षक
प्रो. संजीव जैन
माननीय कुलपति,
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

दिनांक – 15 जनवरी, 2025
समय – प्रातः 10:30 बजे

कार्यक्रम स्थल :
ब्रिगेडियर राजेन्द्र सिंह सभागार,
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, साम्बा